

औरंगजेब (1658–1707)

- औरंगजेब का जन्म 1618 ई० में मुमताज महल के गर्भ से हुआ। जबकि औरंगजेब का अधिकांश समय अपनी दादी नूरजहाँ के पास बीता।
- औरंगजेब का विवाद फारस (Iran) की राजकुमारी दिलरास बानो बेगम (रबिया बीबी) से हुआ।
- औरंगजेब ने अपना राज्याभिषेक दो बार करवाया। (1) सामुगढ़ विजय (1658) के बाद (2) देवराय विजय (1659) के बाद।
- इसने इस्लामिक नियम कानून को बड़े कठोरता से अपने साम्राज्य में लागू किया और यह आदेश दिया कि मुगलकाल में बने सारे मन्दिर को तोड़ दिया जाएगा। इसी क्रम में उसने वीर सिंह बुन्देला द्वारा मथुरा में बनाए गये केशवनाथ मन्दिर को तोड़ दिया। जिस कारण जाटों ने औरंगजेब विरोद्ध विद्रोह कर दिया।
- जाटों के विद्रोह का नेतृत्व गोकुला ने किया।
- औरंगजेब ने 1670 ई० में तिलपत के युद्ध में गोकुला की हत्या करवा दिया।
- गोकुला के बाद जाट विद्रोह का नेतृत्व राजा राम ने किया।
- राजा राम ने सिकन्दरा में स्थित अकबर के कब्र को लूट लिया और उसके अस्थियों को आग लगा दिया। जिस कारण औरंगजेब ने उसकी हत्या कर दी।
- राजा राम के बाद जाट विद्रोह का नेतृत्व चुडामन ने किया। इसके बाद जाट विद्रोह स्वतः समाप्त हो गया।
- औरंगजेब ने मीर जुमला को भेजकर कूचबिहार, असम तथा आराकाम जीत लिया।
- औरंगजेब ने शाइस्ता खां को भेजकर बंगाल जीत लिया और पुर्तगाली को दण्ड दिया और उनसे सोनद्वीप ले लिया। साथ ही आराकाम के राजा से चटगांव जीत लिया।
- **बीजापुर पर अधिकार**—औरंगजेब ने बीजापुर जीतने के लिए जयसिंह, बहादुर खान, दिलेर खान को भेजा किन्तु वे लोग सफल नहीं हुए। अतः औरंगजेब स्वयं आक्रमण करके बीजापुर को जीत लिया।
- **गोलकुण्डा पर अधिकार**—औरंगजेब ने गोलकुण्डा जीतने के लिए मुअज्जम को भेजा किन्तु इसे सफलता नहीं मिली बाद में औरंगजेब ने स्वयं गोलकुण्डा पर विजय किया।
- औरंगजेब के विद्रोही पुत्र अकबर-II को 9वें गुरु तेगबहादुर ने संरक्षण दे दिया जिस कारण औरंगजेब ने दिल्ली के चांदनी चौक पे उनसे इस्लाम कुबुल करने को कहा और उन्होंने इस्लाम कुबुल नहीं किया तो औरंगजेब ने उनकी हत्या कर दिया।
- अकबर-II को शिवाजी का पुत्र सम्भा जी ने भी संरक्षण दिया। जिस कारण औरंगजेब ने सम्भा जी की भी हत्या कर दिया।
- औरंगजेब ने शिवाजी के विरुद्ध साहिस्ता खां को भेजा। किन्तु शिवाजी ने साहिस्ता खां की हत्या कर दी।
- 1665 ई० में औरंगजेब ने राजा जय सिंह को शिवाजी को हराने के लिए भेजा। जय सिंह ने शिवाजी को पराजित करके पुरन्दर की संधि किया। इस संधि के तहत शिवाजी औरंगजेब से मिलने 1666 ई० में आगरा पहुंचा। किन्तु औरंगजेब ने उन्हें धोखे से कैद करके जयपुरी महल में डाल दिया।

- किन्तु शिवाजी बहुत जल्द भेस बदलकर भाग गये।
- 1679 ई० औरंगजेब ने द० भारत में पुनः जजीया कर लगा दिये। औरंगजेब को जिन्दा पीर कहा जाता है।
- औरंगजेब सुन्नी मुसलमान था। यह कट्टर तथा रूढ़िवादी था।
- इसने हिन्दुओं को दान में दी गयी भूमि को (खालसा भूमि) में बदल दिया।
- 1667 ई० में औरंगजेब ने झरोखा दर्शन पर प्रतिबन्ध लगा दिया। 1680 ई० में औरंगजेब ने तुलादान पद्धति पर प्रतिबन्ध लगा दिया।

Note : हुमायूँ ने जनता की समस्या सुनने के लिए झरोखा दर्शन प्रारम्भ किया जिसे अकबर ने सुचारू रूप दिया।

Note : अकबर तुलादान व्यवस्था के तहत स्वयं के भार के बराबर दान गरीब को करता था।

- इसने सोना-चांदी के वस्तु के उपयोग पर रोक लगा दिया तथा मुद्रा पर से कलमा हटवा दिया।
- औरंगजेब ने संगीत पर प्रतिबन्ध लगा दिया किन्तु खुद औरंगजेब विणा का अच्छा जानकार था।
- औरंगजेब के समय मुगल साम्राज्य का सर्वाधिक विकास हुआ। इसके काल में मुगल अपने चरमोत्कर्ष पर थे। सर्वाधिक हिन्दु मनसबदार औरंगजेब के समय थे।
- औरंगजेब दार-उल-हर्ष को दार-उल-इस्लाम (काफिर) में बदलना चाहता है।
- धार्मिक मामले की देख-रेख केलिए मोहदसिब नामक अधिकारी को नियुक्त किया गया।
- 1707 ई० में औरंगजेब की मृत्यु हो गयी और उसे औरंगाबाद में दफनाया गया।
- औरंगजेब ने अपनी बेगम दिलराश बानो बेगम के लिए औरंगाबाद में बीवी का मकबरा बनाया। इसे द्वितीय ताजमहल तथा ताजमहल की घटिया नकल कहा जाता है।
- औरंगजेब के मृत्यु के बाद मुगल साम्राज्य का पतन प्रारम्भ हो गया। क्योंकि औरंगजेब के बाद कोई भी शासक योग्य नहीं था।

Note : MBT (मोहम्मद बिन तुगलक) तथा औरंगजेब की दोषपूर्ण दक्षिण भारत की नीति में इनके साम्राज्य के पतन का कारण बनी।

